क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक क्रांति समय

RNI.No.: GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्प्लेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 327, गुरुवार, 27 दिसम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा का वैश्य विरोधी चेहरा सामने आया : गुप्ता

नई दिल्ली एजेंसी। सोमवार को उत्तरी दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी के पार्षद के साथ हुई मारपीट की घटना पर आप राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि भाजपा का वैश्य विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आ गया है। गौरतलब है कि आप पार्षद विकास गोयल ने आरोप लगाया था कि सदन की विशेष बैठक में सोमवार को भाजपा पार्षदों ने महापौर की उपस्थिति में उनके साथ हाथापाई की थी। संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आप के राज्यसभा सांसद सुशील गुप्ता ने कहा कि भाजपा आज पूरी तरह से वैश्यों को बर्बाद कर देना चाहती है। गुप्ता ने कहा कि बुधवार को हमारी पार्टी निगम मुख्यालय सिविक सेंटर पर महापौर के समक्ष विरोध प्रदर्शन करेगी। हमारी महापौर से मांग है कि हाथापाई करने वाले भाजपा पार्षद को बर्खास्त किया जाए। इस मौके पर पार्षद विकास गोयल ने कहा कि यह पहली बार नहीं हुआ है। जब-जब मैंने व्यापारियों के हक में व सीलिंग के विरोध में आवाज उठाई है तो भाजपा के लोगों ने इसी तरह किया है।

सीलिंग मुद्दे पर मनोज तिवारी से मिलेंगे आप से जुड़े व्यापारी

नई दिल्ली। सीलिंग की मार झेल रहे व्यापारियों की आवाज उठाने को आम आदमी पार्टी की ट्रेड विंग से जुड़े व्यापारी ''सीलिंग की फीलिंग' अभियान के तहत बुधवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी के आवास जाकर उनसे मुलाकात कर सीलिंग पर चर्चा करेंगे। ट्रेड विंग के कन्वीनर और नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के प्रभारी बृजेश गोयल ने बताया कि उत्तरी पश्चिमी दिल्ली के प्रभारी गुग्गन सिंह के नेतृत्व में व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल उत्तरी पश्चिमी दिल्ली के सांसद उदित राज के आवास पर पहुंचा और ज्ञापन दिया। गोयल ने बताया कि बुधवार को मनोज तिवारी के आवास पर जाकर उनसे मुलाकात करेंगे और सीलिंग के मामले पर जल्द समाधान निकालने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के सातों सांसद इस बात को समझ सकें कि अपनी रोजी रोटी पर ताला लगाने के बाद कोई व्यक्ति किस हाल में रहता है और कैसा महसूस कर रहा होता है।

अच्छी खबर: अब ट्रेन में सफर के दौरान टॉयलेट से बदबू नहीं, आएगी खूशबू

गोरखपुर। ट्रेनों की बोगियों में लगे बायो टॉयलेट से अब बदबू नहीं आएगी। रेलवे वर्कशॉप ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। वर्कशॉप में मरम्मत के लिए आ रहीं बोगियों के बायो टॉयलेट में (वीटीई) वान्च्यूरी टाइप एक्जास्ट लगाया जा रहा है। यह उपकरण टॉयलेट से आने वाली बदबू को पूरी तरह से गायब कर देगा।

ऐसे काम करेगा सिस्टम

वीटीई सिस्टम में एक टॉयलेट में दो फनेल विपरीत दिशा में लगाए गए हैं। फनेल को कोच के टॉयलेट से एक पाइप के माध्यम से जोड़ा गया है। इससे ट्रेन किसी भी दिशा में आगे बढ़ेगी तो ताजी हवा दाब से टॉयलेट के अंदर प्रवेश करेगी और टॉयलेट की दुर्गंध को साथ में लेकर फनेल से दूसरी ओर बाहर निकल जाएगी।.

एक दर्जन ट्रेनों में बायो टॉयलेट

गोरखपुर से गुजरने वाली लगभग सभी प्रमुख ट्रेनों जैसे गोरखधाम, कोचीन, वैशाली, बिहार सम्पर्क क्रांति, कुशीनगर, एलटीटी, सप्तक्रांति और हमसफर समेत एक दर्जन से अधिक ट्रेनों में बायो टॉयलेट लगाए जा चुके हैं।

एलईडी बल्ब से जगमगाए एनईआर के सभी स्टेशन

जल संरक्षण के साथ ही पूर्वोत्तर रेलवे ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में भी अहम योगदान दे रहा है।

इलाहाबाद : कुंभ मेला के पहले संगम तट पर जूना अखाड़ा के नगा साधु ''पेशावाई' में शिरकत करते हुए।

अमरोहा: पुलिस कस्टडी में दलित युवक की मौत, 11 पुलिसकर्मी निलंबित

एजेंसी,अमरोहा। उत्तर प्रदेश में अमरोहा के धनौरा क्षेत्र में पुलिस की हिरासत में एक दलित युवक की मृत्यु हो जाने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार को मंडी धनौरा मे बंदायू-पानीपत स्टेट हाईवे-51 सडक मार्ग जाम लगा दिया। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि अमरोहा के मंडी धनौरा क्षेत्र के बसी शेरपुर निवासी बालकिशन (30) को गत रविवार को चोरी के वाहन खरीदने के आरोप में पूछताछ के लिए थाने लाकर हवालात में बंद कर दिया था। बुधवार को की रात में युवक की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को बुधवार नौ बजे सूचित किया। इस मामले में अपर पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार ने धनौरा थाना के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द शर्मा समेत 11 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है। इसमें चार होमगार्ड के निलंबित के लिये जिला कमांडेंट को पत्र लिखा गया है। वहीँ दूसरी ओर मृतक की पत्नी कुंती ने आरोप लगाया है कि पिछले चार दिनों से बालकिशन को बिना किसी आरोप के हवालात में बंद कर पूछताछ की गयी। पुलिस द्वारा की गयी पिटायी के दौरान उसकी मृत्यु हुई। पुलिस उसे छोड़ने के लिये रूपयों की मांग कर रही थी। मृतक युवक के छोटे छोटे चार बच्चे हैं। सूत्रों ने बताया कि पुलिस हिरासत में युवक की मृत्यु की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने हाईवे पर सुबह दस बजे से जाम लगा है। वाहनों की लंबी लंबी कतार लग गई हैं। मौके पर कई थानों की पुलिस तथा पीएसी तैनात की गयी है। भीड़ ने उपजिलाधिकारी के वाहन में तोडफोड़ कर दी। उपजिलाधिकारी(एसडीएम) संजीव बंसल तथा पुलिसक्षेत्राधिकारी मोनिका यादव द्वारा आक्रोशित भीड़ को बताया गया कि दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से जाम खोलने की अपील की है। ग्रामीणों ने दोषीं पुलिसकर्मियों के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज कर मृतकाश्रित परिवार को बीस लाख रुपये और सरकारी नौकरी देने की मांग की है।

हत्या कर बोली मां 'मैनें उसे मुक्त कर दिया'

लखनऊ: शादी के 9 साल बाद बेटी के रूप में हुई थी पहली संतान

लखनऊ। जिस संतान के लिए 9 साल तक दवा और दुआ का सहारा लिया। उसी को जन्म देने वाली मां ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। इंदिरानगर के रवीन्द्र नगर में मैकेनिकल इंजीनियर की पत्नी ने अपनी चार महीने की बेटी अद्विका की हत्या कर दी और शव के साथ तीन घंटे तक लेटी रही। मंगलवार सुबह उसने पति को बताया कि..मैनें उसे मुक्त कर दिया है। बदहवास पिता दुधमुंही बेटी को गोद में उठाकर अस्पताल ले गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। पुलिस ने पति की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज करके आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि महिला बीते कुछ महीनों से डिप्रेशन में थी। मूलत: गोरखपुर के बड़हलगंज के महुलियां निवासी चिंतामणि त्रिपाठी ब्लॉक से वरिष्ठ प्रशिक्षक के पद से रिटायर हैं। उनका बेटा बृजनंदन त्रिपाठी मैकेनिकल इंजीनियर है। वर्ष 2009 में बृजनंदन की शादी मऊ के दोहरीघाट निवासी ओम शरण तिवारी की बेटी शुभ्रा से हुई थी। उस समय बृजनंदन गुजरात की एक कंपनी में कार्यरत था। लिहाजा शादी के बाद पांच साल तक दोनों गुजरात में रहे। वर्ष 2014 में बृजनंदन की सऊदी की एक मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी लग गई जिसके बाद दोनों वहां चले गए। वर्ष 2017 में नौकरी छोड़ने के बाद बृजनंदन ने इंदिरानगर में रवीन्द्र नगर के रवीन्द्र अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदा। मौजूदा समय में वह फ्लैट नंबर 107 में परिवार के साथ रह रहा था। घरवालों के मुताबिक चार महीने पहले शुभ्रा ने बेटी को जन्म दिया जिसका नाम अद्विका रखा गया। बृजनंदन की मां सोनवती देवी इकलौती पोती की देखभाल के लिए बेटे-बहू के साथ रहने आ गई।

मैंने उसे मुक्त कर दिया

सोनवती देवी ने बताया कि सोमवार रात परिवार के सभी सदस्यों ने खाना खाया जिसके बाद वह दूसरे कमरे में सोने चली गई। बृजनंदन ड्राइंग रूम के सोफे पर लेटा था जबकि शुभ्रा दुधमुंही बेटी के साथ बेडरूम में सो रही थी। सोमवार सुबह करीब 6 बजे बृजनंदन की नींद खुली तो वह बेटी का चेहरा देखने बेडरूम में गया। उसने अद्विका को पुचकारा लेकिन उसके शरीर में कोई हलचल नहीं थी। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता शुभ्रा ने उससे कहा कि.. मैं बच्ची को पाल नहीं सकती थी, इसलिए मैंने उसे मुक्त कर दिया। यह सुनकर बृजनंदन सन्न रह गया। अगले ही पल उसने बेटी को गोद में उठाया और सहारा अस्पताल ले गया। वहां डॉक्टरों ने मासूम को मृत घोषित कर दिया।

मुंह में कपड़ा ठूंसकर दबा दी नाक

बेटी की मौत से बदहवास बृजनंदन ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बेडरूम में छानबीन करने के बाद शुभ्रा से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात बता दी। इंस्पेक्टर अमित कुमार दुबे ने बताया कि शुभ्रा ने बेटी के मुंह में कपड़ा ठूंस दिया था ताकि उसकी चीख न निकल सके। इसके बाद उसकी नाक को तब तक दबाए रखा जब तक उसके शरीर में हलचल बंद नहीं हो गई। बाद में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एएसपी हरेन्द्र कुमार ने बताया कि बच्ची की मौत दम घुटने की वजह से हुई है।

रात 3 बजे ही कर दी थी हत्या

शुभ्रा ने पूछताछ में बताया कि रात करीब 3 बजे अद्विका भूख लगने पर रोयी थी। इसके बाद पहले उसने बेटी को दूध पिलाया और फिर उसे मौत के घाट उतारा था। बेटी के शव को बगल में रखकर वह बेड पर लेटी रही और सुबह पति के कमरे में आने पर उसने हत्या की बात बताई थी। इंस्पेक्टर अमित दुबे ने बताया कि बृजनंदन त्रिपाठी ने पत्नी शुभ्रा के खिलाफ हत्या की तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके शुभ्रा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे महिला थाने की हवालात में रखा गया। देर शाम पुलिस ने उसे कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया।

फेसबुक पर दोस्ती के बाद की लव मैरिज

बृजनंदन ने पुलिस को बताया कि मूलत: मऊ के दोहरीघाट निवासी शुभ्रा का परिवार गोमतीनगर में रहता है। करीब 9 साल पहले फेसबुक पर उनकी दोस्ती हुई थी जो बाद में प्यार में बदल गई। जिसके बाद दोनों ने परिवार की रजामंदी से प्रेम विवाह किया था। बृजनंदन ने बताया कि शादी के 9 साल बाद भी उनकी कोई संतान नहीं हो रही थी। इस पर उन्होंने शुभ्रा का नामचीन डॉक्टरों से इलाज कराने के साथ कई मंदिरों में मन्नत मांगी थी। तब जाकर चार महीने पहले शुभ्रा ने बेटी को जन्म दिया था।

कहती थी कि बेटी को मार दूंगी

परिवार का कहना है कि बीते कुछ महीनों से शुभ्रा मानसिक रूप से बीमार थी। उसका मुंशी पुलिया स्थित एक होम्योपैथिक डॉक्टर से इलाज चल रहा था। सास सोनवती के मुताबिक बेटी होने के बाद से शुभ्रा की मानसिक हालत और बिगड़ गई थी। वह कई बार अजीब हरकतें करती और कहती कि.. बेटी को मार दूंगी। लेकिन, घरवालों को जरा भी यकीन नहीं था कि वह ऐसा कर देगी।

ससुर-दामाद की थाने में हुई कहासुनी

घटना की सूचना पर शुभ्रा के पिता ओमशरण तिवारी घर पहुंचे। वहां उनकी दामाद बृजनंदन से तीखी झड़प हुई। इसके बाद वह बेटी से मिलने महिला थाने गए। वहां भी दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई। पुलिस ने बीच-बचाव करके दोनों पक्ष को शांत कराया।

बिहार: तेजप्रताप बोले, लगता है तेजस्वी यादव ही सीएम बनेंगे

पटना। आरजेडी अध्यक्ष लालू प्रसाद के बड़े पुत्र और विधायक तेजप्रताप यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री के बारे में पूछे जाने पर कहा कि लगता है तेजस्वी यादव ही सीएम बनेंगे। तेजस्वी ने राज्य सरकार को हर मुद्दे पर विफल करार दिया और पार्टी के युवा कार्यकर्ताओ से एकजुट रहने की अपील की। राजद प्रमुख लालू प्रसाद को सीबीआई द्वारा फंसाये जाने के आरोप को लेकर एकदिवसीय धरना कार्यक्रम पार्टी कार्यालय के बाहर आयोजित किया गया। यह युवा राजद के तत्ववधान में यह आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में तेजप्रताप यादव भी शामिल हुए। तेजप्रताप ने कहा कि लालू प्रसाद को फंसाये जाने के खिलाफ 9 जनवरी को नई दिल्ली के जंतर मंतर में होने वाले प्रदर्शन में शामिल होंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि लगता है तेजस्वी ही सीएम बनेंगे यह स्टाम्प पेपर पर लिख कर देना होगा। अन्यथा इस संबंध में तरह तरह की बातें उड़ाई जाती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार हरेक बिंदुओं पर सरकार की विफलता को गिनाया।

दिव्यांग ने अखिलेश को वोट देने की बात की तो नेता ने मुंह में डंडा घुसेड़ा

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में एसडीएम कार्यालय के सामने कथित भाजपा नेता द्वारा दिव्यांग को पीटने का मामला अब तूल पकड़ रहा है। एक दिन पहले दिव्यांग को गिरफ्तार कर जेल भेजने वाली पुलिस के तेवर बदल गये हैं। दिव्यांग को जहां उप जिला मजिस्ट्रेट ने जमानत देकर रिहा कर दिया। वहीं उस कथित भाजपा नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तैयारी शुरु कर दी गई है। वायरल वीडियो को मंगलवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी रीट्वीट किया है। इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी नेता मोहम्मद मियां ने सफाई देते हुए कहा है कि वह मोदी जी और योगी जी को गाली दे रहा था। मैंने उसे समझाने की कोशिश की। वह नशे में था। यह को बदनाम करने की साज़िश। मैं सिर्फ उसे भगाने की कोशिश कर रहा था। मैंने उसके मुंह में डंडा नहीं घुसाया। बताते चलें संभल में एसडीएम कार्यालय के बाहर सोमवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया था जबकि एक दिव्यांग युवक प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को अपशब्द कहते हुए शोर मचा रहा था। वहां पहुंचे एक कथित भाजपा नेता ने कार से डंडा निकालकर दिव्यांग को डंडे से पीटना शुरु कर दिया था। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची तो पुलिस ने वहां मौजूद दिव्यांग युवक को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने चंदौसी के मुकेश नाम के इस युवक का शांतिभंग में चालान कर दिया था। इस बीच भाजपा नेता द्वारा डंडे से दिव्यांग की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो बात लखनऊ तक पहुंच गई। अफसरों ने संज्ञान लिया।

नड्डा ने शुरू की यह सुविधा, जेटली भी मौके पर थे मौजूद

एम्स : मरीजों, तिमारदारों को राहत अब उन्हें मिलेगा आरओ शोधित जल

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली की पहल पर अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में मरीजों को आरो और गर्मियों में ठंडा पानी मुफ्त में मिलेगा। जेटली की मौजदगी में केंद्रीय स्वास्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को इस सुविधा की शुरूआत की। गिरधारी लाल डोगरा मेमोरियल ट्रस्ट के जरिए यह सुविधा मरीजों को प्रदान की जाएगी। बता दें कि जब श्री जेटली का कुछ माह पहले यहां इलाज किया गया था उस दौरान उन्होंने एम्स प्रबंधन के समक्ष यह प्रस्ताव रखा था, गर्मियों के दिनों में मरीजों को यहां शीतल पेयजल खरीद कर पीना पड़ता था। अब यह सुविधा उनके ट्रस्ट के जरिए यहां प्रदान की जा रही है।

कैंसर संस्थान में मरीजों की भर्ती जल्द:

श्री नड्डा ने कहा कि हरियाणा के झज्जर में स्थापित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई) में अगले माह से ही मरीज भर्ती होने लगेंगे। बीते सप्ताह ही इस संस्थान में ओपीडी सेवाएं शुरू की गई हैं। जनवरी 2019 के अंत तक करीब 200 बिस्तरों पर मरीजों को भर्ती करना शुरू कर दिया जाएगा। इस दौरान वित्त मंत्री अरुण जेटली भी मौजूद रहे। दरअसल, कुछ समय पहले वित्त मंत्री का एम्स में किडनी प्रत्यारोपण हुआ था। इस दौरान उन्होंने मरीजों के लिए जल प्रबंधन को लेकर जल्द ही सहायता का निर्णय लिया था। कार्यक्रम के दौरान मंत्री नड्डा ने बताया कि 2035 करोड़ की लागत से तैयार इस संस्थान में कैंसर मरीजों के लिए उपचार के अलावा शोध भी होंगे। एम्स से करीब एक घंटे की दूरी पर स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में मरीजों के लिए 710 बिस्तरों का प्रबंध किया है। उनका कहना है कि देश में करीब 29 लाख मरीज कैंसर ग्रस्त हैं। जबकि 11 लाख के आसपास हर वर्ष कैंसर मरीज सामने आ रहे हैं। ऐसे में इन मरीजों को समय पर इलाज मिलना और कैंसर जैसी बीमारी को हराना ही सरकार का मुख्य उद्देश्यों में से एक है। इस मौके पर श्री जेटली ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि ऐसा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मैं स्वास्थ्य मंत्री और एम्स प्रशासन को इस सुविधा को यहां प्रारंभ करने की अनुमति देने के लिए मैं धन्यवाद करता हूं। जो यह सुनिश्चित करेंगे कि मशीन भलीभांति तरीके से काम कर रही है कि नहीं।

छत्तीसगढ़ में भी मंत्रिमंडल विस्तार

रायपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल कि सरकार में आज नौ नए मंत्रियों को शपथ दिलाई गई और शपथ ग्रहण के तत्काल बाद ही राज्य में भारी भरकम बहुमत के साथ 15 साल बाद सरकार में आई कांग्रेस में असंतोष के स्वर उठने शुरू हो गए हैं। एक बड़े समारोह में राज्यपाल आनंदी बेन ने नौ मंत्रियों रविंद्र चौबे, मोहम्मद अकबर, कवासी लखमा, शिव डहरिया, जय सिंह अग्रवाल अनिला भेड़िया, उमेश पटेल प्रेम सिंह और रु द्र गुरु समेत कुल नौ मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। वैसे राज्य में कुल 10 मंत्रियों को शपथ दिलाई जा सकती थी लेकिन कहा जा रहा है कि एक मंत्री का पद खाली रखा गया है जिसके बारे में मई में लोकसभा चुनाव के बाद निर्णय लिया जाएगा। तब तक असंतोष को थामने की कोशिश की जाएगी। राज्य में 90 सदस्यों वाली विधानसभा में कांग्रेस के 68 विधायक हैं।सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू के समर्थक साहू को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की मांग कर रहे हैं। एक बयान में साहू ने कहा कि उनकी नजर में हम अक्षम और अयोग्य दिखे होंगे इसलिए जगह नहीं मिली। शपथ ग्रहण समारोह में नहीं शामिल होने को लेकर साहू ने कहा कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए मैं शपथ ग्रहण में नहीं गया। कांग्रेस में अचरज है कि मोतीलाल वोरा के पुत्र अरु ण वोरा, कुलदीप जुनेजा सहित कई ऐसे नाम हैं, जो मंत्रिमंडल से बाहर हैं।

सब कुछ ठीक नहीं : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा, पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल व धनेन्द्र साहू की नाराजगी इस बात की तस्दीक करती है कि कांग्रेस में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। नाराज साहू को मनाने के लिए सांसद छाया वर्मा को जिम्मा सौंपा गया। मुख्यमंत्री बघेल प्रदेश में वन मैन शो चला रहे हैं। कौशिक ने आदिवासियों की कथित जमीन हड़पने के मामले में आरोपी जयसिंह अग्रवाल को मंत्री बनाए जाने पर हैरत जताई।

यूपी पुलिस कांवड़ियों पर बरसाती है फूल, लेकिन नमाज पढ़ने से रोकती है: ओवैसी

नई दिल्ली। नोएडा में बिना अनुमति खुले में नमाज (ह्डुद्ब्डु5) पढ़ने पर लगी रोक पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी (्रह्यडुस्त्रह्वस्त्रस्त्रद्बठ्ठ ह्र2डुद्बह्यद्ब) ने निशाना साधा है। एक ट्वीट के जरिए ओवैसी ने कहा है कि यूपी पुलिस कांवड़ियों पर फूल बरसाती है। लेकिन सप्ताह में एक बार नमाज पढ़ने का मतलब 'शांति और सद्भाव को बाधित' करना हो जाता है। ओवैसी ने आगे लिखा कि यह मुस्लिम को यह बताता है कि आप कुछ भी कर लो, गलती तो आपकी ही होगी। ओवैसी ने लिखा कि इसके अलावा, कानून के अनुसार, कोई व्यक्ति कर्मचारी अगर व्यक्तिगत तौर पर कुछ करता है तो इसके लिए बहुराष्ट्रीय कंपनी को कैसे उत्तरदायी ठहरा सकता है? मालूम हो कि नोएडा में अब बिना अनुमति खुले में नमाज पढ़ने के साथ किसी भी तरह के धार्मिक आयोजन नहीं किए जा सकेंगे।

संपादकीय

भ्रष्टाचार निरोधक अदालत

किस्तान की एक भ्रष्टाचार निरोधक अदालत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफको दी गई सजा पर किसी को हैरानी नहीं हुई। जिस तरह पिछले दो सालों से उनके खिलाफपाकिस्तान की न्यायपालिका सक्रिय है उसमें हैरानी तब होती जब वे बरी कर दिए जाते। हालांकि इसी न्यायालय ने फ्लैगशिप इंवेस्टमेंट मामले में शरीफको निदरेष माना है लेकिन अल-अजीजिया स्टील मिल्स भ्रष्टाचार के मामले में दोषी करार दे दिया। सात वर्ष की कारावास तथा 25 लाख का जुर्माना भ्रष्टाचार के किसी मामले में साधारण सजा नहीं है। नवाज के लिए यह चौथी सजा है। एक मामले में वे पहले से जेल में हैं। पाकिस्तान में नेताओं को भ्रष्टाचार के मामले में सजा की भयानक परंपरा रही है। ज्यादातर नेता इससे बचने के लिए विदेश का रु ख करते थे। मरहूम बेनजीर भुट्टो स्वयं लंबे समय विदेश प्रवास में रही। अमेरिकी दबाव में तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ समझौते के बाद चुनाव में भाग लेने के लिए वो वापस आई। स्वयं मुशर्रफ मुकदमे का सामना करने की बजाय विदेश में आत्मनिर्वासन का जीवन जी रहे हैं। नवाज ने इसके विपरीत सजा मिलने पर लंदन से देश आने का विकल्प चुना और वे मुकदमे का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तान ऐसा देश है जहां न्यायालय की कार्रवाई को भी निष्पक्ष मानना कठिन होता है। पनामा पेपर्स मामले में दुनिया के किसी देश में छानबीन नहीं हुई लेकिन उच्चतम न्यायालय ने नवाज को झूठा कहकर न केवल प्रधानमंत्री एवं सांसद होने के अयोग्य करार दिया, बल्कि पार्टी अध्यक्ष होने से वंचित कर दिया। ऐसा फैसला किसी लोकतांत्रिक देश में नहीं हुआ होगा। सेना और न्यायपालिका नवाज को राजनीति से बाहर करना चाहते थे। नवाज राजनीति में सक्रिय होते तो इमरान खान शायद ही प्रधानमंत्री होते। नवाज पाकिस्तान के सबसे लोकप्रिय नेता माने जाते हैं। उनको सजा दिए जाने के समय भी न्यायालय के बाहर जितनी भारी संख्या में समर्थक नारे लगा रहे थे वह इसका साक्षात प्रमाण था। नवाज के खिलाफ एक मामला और बचा हुआ है। देखते हैं उसमें क्या फैसला आता है। इस फैसले के खिलाफ भी वे ऊपरी अदालत जाएंगे। किंतु साफ कहा जा सकता है कि आने वाले लंबे समय तक नवाज की जिंदगी आसान नहीं है। उनकी राजनीतिक सक्रियता पर लगे ग्रहण का अंधेरा बढ़ रहा है यानी इमरान के समानांतर पाकिस्तान में कोई नेता मुकाबले में नहीं दिख रहा।

बाबरी मस्जिद विवाद

अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद में मालिकाना हक मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई की कई तारीख देश की सर्वोच्च अदालत ने तय कर दी हैं। इस मामले में सुनवाई नये साल की 4 जनवरी को होगी। इसी दिन मामले की नियमित सुनवाई की तारीख भी तय होने की उम्मीद है। इससे पहले अक्टूबर, 2018 को सर्वोच्च अदालत ने इस बेहद चर्चित मामले में सुनवाई की तारीख 2019 तक टाल दी थी। दरअसल, यह आम जमीन विवाद नहीं है, बल्कि बेहद अहम मसला है, और भारतीय राजनीति पर खास असर रखता है। भाजपा के लिए यह मुद्दा विशेष अहमियत रखता है। और राम मंदिर निर्माण को उसने अपने घोषणापत्र में जगह दी है। पार्टी के अलावा विश्व हिंदू परिषद समेत तमाम हिंदूवादी संगठन राम मंदिर के निर्माण को लेकर जज्बाती रहे हैं, और सरकार पर कई सालों से दबाव बनाते रहे हैं। हाल के कुछ महीनों से केंद्र सरकार पर इन संगठनों और शिवसेना जैसे दल का दबाव कुछ ज्यादा ही पड़ने लगा है। स्वाभाविक तौर पर यह देश का सबसे ज्वलंत और संवेदनशील मसला है। इस लिहाज से अदालत को भी निष्पक्ष, सतर्क, समझ-बूझ के साथ और दो टूक फैसला लेना है। अतीत में झांकें तो 1853 से इस मसले पर विवाद पैदा हुआ था। लाख कोशिशों के बाद भी पक्ष-विपक्ष के खेमे से आम सहमति की कोई झलक देखने को नहीं मिली। अदालत के सामने कई चुनौतियां हैं। चूंकि मामला काफी जज्बाती है, सो हर पक्ष की राय को ठंडे दिमाग और तार्किकता की कसौटी पर रखकर फैसला देना उसके लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। अदालत के सामने यह भी चुनौती है कि इसे अनंतकाल के लिए टाला नहीं जा सकता। पहले भी असंख्य बार सर्वोच्च अदालत कई तारीखें दे चुका है। दस्तावेज की संख्या भी 19 हजार के करीब है। इन सबका अंतिम फैसला देने की मन:स्थिति के साथ अध्ययन करना वाकई अदालत के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। अदालत से इतर सरकार पर दबाव इस मायने में भी है कि उसने मंदिर निर्माण की आस देशवासियों में सबसे ज्यादा जगाई है। हां, कानून बनाकर और फास्र्ट ट्रैक अदालत का गठन कर सुनवाई की यदा-कदा समझाइश व बयान अदालत और सरकार, दोनों के लिए परेशानी का सबब जरूर हैं। देखना है अदालत इस मसले पर क्या रुख अपनाती है?

''नई चेतना'

सही और प्रामाणिकता की धारणा ने इतिहास को अतीत को देखने का एकमात्र जरिया मानने और मनवाने की कोशिश की। देखा जाए तो इतिहास आधुनिक, वैज्ञानिक युग की देन है, आधुनिक दृष्टि का एक ही एक अंग है। यानी, इतिहास की इस धारणा की कुल उम्र दो सौ साल भी नहीं है। लेकिन जैसा कि विदित है इस आधुनिक युग के ज्ञान के आधार पर ही चीजें विश्लेषित हुई और लगभग हर विधा का एक मानक रूप बना। साहित्य, इतिहास आदि की समझ इस समय जिस रूप में मान्य हुई उसे ही एकमात्र रूप माना जाने लगा। इसका परिणाम यह हुआ कि इतिहास का एक ऐसा संस्करण तैयार हुआ जिसे अकादमिक इतिहास कहा जा सकता है। यह अकादमिक इतिहास था जिसे एक इतिहासकार की भाषा में कहें।

सतीश पेडणोकर

णक्य और महाबलि की छवि वाले अमित शाह और नरेन्द्र मोदी किस तरह एनडीए के एक जूनियर पार्टनर लोक जनशक्ति पार्टी के सांसद चिराग पासवान के दो ट्विट से डर गए और फिर किस तरह, किस जल्दबाजी में उनकी मर्जी की सीटें, संख्या और गठबंधन का फैसला हुआ, यह शीर्ष राजनीति की मजबूरियां दिखाने के साथ पासवान परिवार के उस राजनैतिक कौशल को भी दिखाता है, जिसे लालू प्रसाद यादव रामविलास जी का मौसम विज्ञान कहते हैं। चिराग इन्हीं रामविलास पासवान के पुत्र हैं, जो 1996 से लगातार केंद्र में मंत्री बने रहने का रिकॉर्ड बनाए हुए हैं। भले सरकार किसी की भी हो।

अटल जी, मनमोहन सिंह, देवेगौड़ा तथा इंद्र कुमार गुजराल के पास तो दलित नाम से अनेक नेता थे, भाजपा के पास एक भी ढंग का दलित नेता न होना भी उसकी मजबूरी को बढ़ाता है, और पासवान परिवार की मोल-मोलाई करने की शक्ति। अब चिराग राफेल पर जेपीसी, नोटबंदी के फायदे पर सवाल पूछने और राहुल गांधी की तारीफजैसे मसलों पर क्या करेंगे, पर उनके इस कदम ने साबित कर दिया कि भाजपा और मोदी चाहे जितने इंच का सीना दिखाएं, अंदर से आतंकित ही हैं, और मध्य प्रदेश, राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ की हार ने एनडीए के सहयोगियों का सीना चौड़ा किया है। सही है कि रामविलास पासवान और लोजपा के आगे झुककर भाजपा ने बिहार एनडीए को तो मजबूत किया है, लेकिन उससे भी अधिक लाभ यह लिया है कि अपनी साफखुलती दरारों को ढंगा है। बिहार में ही कोइरियों के नेता उपेन्द्र कुशवाहा काफी समय से हां-ना करते-करते आखिर में एनडीए और सरकार से निकल कर बिहार के विरोधी महागठबंधन में जा शामिल हुए थे। उधर उत्तर प्रदेश में भी ओम प्रकाश राजभर उसी मुद्रा में ही हैं। कब तक सरकार और एनडीए में हैं, कोई नहीं जानता। एनडीए तेलुगू देशम और पीडीपी से पहले ही तौबा-तौबा हो चुका है। शिव सेना का भरोसा नहीं है। चंद्रशेखर राव ने चुनाव जीतते ही पैंतरा बदल लिया है। पासवान भी निकल जाते तो हवा एकदम गड़बड़ा जाती। पासवान को तो राज्य सभा की एक सीट ज्यादा देने से काम चल गया, पर मोदी, अमित शाह को तो अपनी सत्ता बचाने के लिए अभी काफी कुछ चाहिए। उनका ही ज्यादा कुछ दांव पर है। इस समझौते के साथ नीतीश कुमार की जिद भी रह गई और कोई बड़ा या छोटा भाई नहीं हुआ। पर मोदी-शाह की जोड़ी के लिए बिहार में एनडीए को बचाने और ज्यादा से ज्यादा जीत हासिल करने लायक जुगाड़ बना लेने से भी अधिक मुश्किल काम उत्तर प्रदेश में विपक्षी महागठबंधन को बनने से रोकने का है।गोरखपुर और फूलपुर और बाद के उपचुनावों में दिखी विपक्षी एकता और उसके नतीजे मोदी-शाह की नींद उड़ाने के लिए पर्याप्त हैं। पर सपा, बसपा, रालोद, कांग्रेस, राजभर पार्टी, महान दल जैसों का साझा विपक्ष बनना भी आसान नहीं है। कई लोग बसपा के लगातार छिटके दिखने के पीछे आय से अधिक वाले मुकदमों का डर जैसी चीज बता रहे हैं पर मायावती की अपनी महत्त्वाकांक्षा भी कम नहीं है। उस मामले में अखिलेश यादव विपक्षी एकता और कम से कम सपा-बसपा की दोस्ती के लिए ज्यादा साफदिखाई दे रहे हैं। और अगर इन दो दलों की दोस्ती भी हो गई तो सांप्रदायिकता का तूफान खड़ा किए बिना भाजपा को मुश्किल होगी। और जो चीज सारे ओपिनियन पोल लगातार दिखा रहे हैं, अगर भाजपा को यूपी में 2014 की तुलना में पचास सीटों का नुकसान हो गया तो मोदी का दोबारा सत्ता में आना असंभव हो जाएगा। मोदी और शाह परदे के पीछे से चाहे जो चाल चलें, उन्हें बिहार की तरह उत्तर प्रदेश में खुले सौदे से कुछ दे-लेकर समझौता करने और अपना घर बचाने वाली सुविधा नहीं है। और राजस्थान, मध्य प्रदेश, छतीसगढ़ तथा गुजरात में सीटें घटने का साफ लक्षण देखकर (इसका एक कारण इन राज्यों की लगभग सारी सीटों पर भाजपा का कब्जा भी है) उसे ज्यादा बेचैनी लगती होगी। बिहार में भले ही नीतीश कुमार के पाला बदलने से भाजपा को लाभ दिखता है पर वहां भी चालीस में से इकत्तीस सीटें जीत पाना मुश्किल ही है। इस बार यादव, मुसलमान और दलितों के एक हिस्से का जैसा ध्रुवीकरण दिखता है, वैसा मंडल वाले दौर में भी नहीं था। और कुशवाहा, मुकेश साहनी तथा मांझी के आने से सारे गैर-सवर्णों को भी एक संदेश जा रहा है। ऐसे में विपक्ष अपना दांव कैसे खेलता है, इस पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा। पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली में भी उसके लिए 2014 को दोहराना असंभव ही है। दक्षिण में भी बाकी राज्यों में उसे खास जमीन नहीं मिली है पर कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस के साथ आने से उसकी मुश्किलें बढ़ गई हैं। सो, उसके लिए अब ले-देकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल से ही उम्मीदें रह गई हैं। यहां वह बहुत मेहनत कर रही है। पर प. बंगाल में वह कितना आगे जा पाएगी यह भरोसा उसे भी नहीं है। कभी मुसलमानों को पटाने, तो कभी घोर सांप्रदायिक लाइन लेने की दुविधा के बीच ममता बनर्जी, कांग्रेस और वाम दलों की साफ दिखती सहमति से भी उसे मुश्किल है। ओडिशा में उसने मुख्य विपक्ष की जगह ले ली है, पर राज्य का मन नवीन पटनायक से भर गया हो, इसके लक्षण भी नहीं लगते। जाहिर है कि नरेन्द्र मोदी और अमित शाह के लिए अगला आम चुनाव (और दसेक राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी) काफी महत्त्वपूर्ण होने जा रहा है। उनके पास सारे संसाधन हैं, सारी रणनीति है, पर उनकी मुश्किलें कम नहीं हैं। सिर्फएनडीए के अंदर से ही उपेन्द्र कुशवाहा, पासवान और राजभर का तूफान नहीं उठ रहा है, भाजपा के अंदर से भी आवाजें उठने लगी हैं। नितिन गडकरी अगर तीन-चार दफे सीधे नेतृत्व पर हमला बोल चुके हैं, तो यह उनकी निजी महत्त्वाकांक्षा भी हो सकती है, और संघ की समांतर रणनीति का हिस्सा भी। सुषमा स्वराज जैसों का चुनाव न लड़ने का फैसला जैसे वक्त पर घोषित हुआ, उसकी राजनीति भी मोदी-शाह के सिर पर होगी। एक व्यक्ति केंद्रित राजनीति या राष्ट्रपति पप्रणाली को आप चाहे जितना अच्छा मानें, उसकी साफसीमाएं भी होती हैं। यह मूर्ति खंडित या दागदार दिखते ही आपके पास बचाव का कोई रास्ता नहीं रह जाता। इंदिरा जी के साथ पहले यह हो चुका है। पर मोदी कम नहीं हैं। एक तो मुश्किल स्थितियों में ही उनकी अकल और शरीर ज्यादा काम करते हैं, और दूसरे वे कोर्स करेक्शन के मामले में भी माहिर हैं। जितने भी सख्त दिखते हों, मौका पड़ने पर उतने ही नरम भी साबित होते हैं। चिराग प्रकरण भी उसका एक अच्छा उदाहरण है।

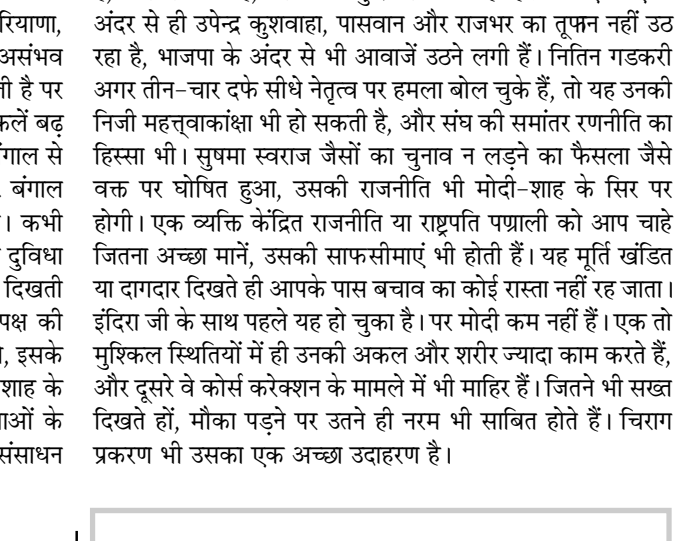

सत्संग

बुद्धिमत्ता

अपनी ऊर्जा का पूरी काबिलियत के साथ इस्तेमाल करने की बजाय, अपने भीतर और बाहर सही वातावरण बनाने की बजाय, दुर्भाग्य से हम हमेशा ऐसी चीजें ढूंढते रहते हैं जो हमारे लिए ये सब कर दें। आज सुबह से शाम तक आपने कैसा अनुभव किया, यह आप पर निर्भर करता है। अपने आसपास के लोगों के साथ आप का कितना टकराव है, यह सिर्फइस बात पर निर्भर करता है कि आप अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों को और उनकी सीमाओं और संभावनाओं को समझने में कितने असंवेदनशील रहे। यह इस बात से बिल्कुल भी तय नहीं होता कि आप कौन-सा भाग्यशाली पत्थर या ताबीज पहने हुए थे। यह सिर्फ इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितनी संवेदनशीलता, बुद्धिमत्ता और जागरूकता के साथ अपने आसपास के जीवन को देखते हैं, काम करते हैं, और रहते हैं। एक दिन दो इंसान हवाई अड्डे पर मिले। उनमें से एक बहुत ही ज्यादा दु:खी और परेशान दिख रहा था। दूसरे ने पूछा, ''आप को क्या हुआ है?' पहला बोला, ''क्या-क्या बताऊं? मेरी पहली पत्नी कैंसर से मर गई, दूसरी पड़ोसी के साथ भाग गई, बेटा जेल में है क्योंकि उसने मुझे जान से मारने की कोशिश की, मेरी 14 साल की बेटी गर्भवती है, मेरे घर पर बिजली गिर पड़ी, शेयर बाजार में आज मेरे सारे शेयर्स के भाव गिर गए। और आज मेरी मेडिकल रिपोर्ट आई है, जिससे पता चला है कि मुझे एड्स है।' दूसरा बोला, ''ओह, आप का भाग्य कितना खराब है! वैसे, आप काम क्या करते हैं?' पहले ने जवाब दिया, ''मैं लकी चार्मज बेचता हूं'! बात यह है कि यदि आप एक खास तरह के हैं तो एक खास तरह की चीजें आप की ओर आकर्षित होंगी। अगर आप किसी दूसरी तरह के हैं, तो फिर कुछ और तरह की चीजें आप के लिए होंगी। अगर किसी स्थान पर एक फूलों वाली झाड़ी है, और एक कंटीली और सूखी झाड़ी है, तो सभी मधुमक्खियां फूलों वाली झाड़ी की ओर जाएंगी। फूलों वाली झाड़ी भाग्यशाली नहीं है, बस उसके पास सुगंध है, जो आप को दिखती भी नहीं, जो सब कुछ अपनी ओर आकर्षित कर रही है। लोग कंटीली और सूखी झाड़ी से दूर रहते हैं क्योंकि वह एक अलग तरह की परिस्थिति तैयार करती है। शायद उन दोनों ही झाड़ियों को पता नहीं कि वे क्या बना रही हैं, पर हो वही रहा है, जो होना चाहिए।

चलते चलते

इंटरनेट की दुनिया

पहले हुई सड़क दुर्घटना के बाद सांस में अवरोध आने के कारण, भोपाल में निधन हो गया। प्यारा आभास आभासी हो गया। -वो ऊ कबी ओ का?-कवि तो स्वांत: सुखाय था, लेकिन इंटरनेट की दुनिया में व्यापक स्तर पर हिंदी ई-बुक्स को लाने वाला पहला व्यक्ति था। साहित्यकारों और प्रकाशकों का दुलारा था। सैकड़ों हजारों किताबें उसने इंटरनेट पर अपलोड कराई।

जे साल कबियन पै कैसौ बीतौ?-काल-रात्रि के समान! हिंदी-उर्दू के अनेक श्रेष्ठ कवि इस साल नहीं रहे। लगभग हर महीने कोई न कोई साहित्यिक स्तंभ गिरता रहा। अभी दो दिन पहले कवि प्रदीप चौबे के सैंतीस वर्षीय पुत्र आभास चौबे का, दो दिन पहले हुई सड़क दुर्घटना के बाद सांस में अवरोध आने के कारण, भोपाल में निधन हो गया। प्यारा आभास आभासी हो गया। -वो ऊ कबी ओ का?-कवि तो स्वांत:सुखाय था, लेकिन इंटरनेट की दुनिया में व्यापक स्तर पर हिंदी ई-बुक्स को लाने वाला पहला व्यक्ति था। साहित्यकारों और प्रकाशकों का दुलारा था। सैकड़ों हजारों किताबें उसने इंटरनेट पर अपलोड कराई और साहित्यकारों का भला कराना प्रारंभ किया। जिन लेखकों को अपने प्रकाशकों से समय पर रॉयल्टी नहीं मिलती थी, या नहीं भी मिलती थी, उनके खाते में धन सीधे आने लगा। ग्यारहवें विश्व हिंदी सम्मेलन की एक तैयारी सभा में मैंने आभास को विशेषज्ञ के रूप में बुलाया था। सारे विद्वान उसकी प्रतिभा और कार्य से बेहद प्रभावित हुए। मेरी सारी किताबें उसने ई-बुक्स के लिए ली हुई थीं। रूपांतरण का काम चल ही रहा था कि वह चला गया। मेरे प्रति अगाध प्रेम था उसका, और उतना ही मेरा। -बात भई प्रदीप चौबे जी ते?-फोन पर अंत्येष्टि से पहले दो बार बातें हुई। बहुत साहस का परिचय दे रहे थे, ''गमों में हौसला रखता हूं। मेरे पिता पुलिस वाले थे। दुख से हारने वालों में नहीं हूं। मैं कवि हूं, अच्छी कविता पर तो रो सकता हूं, अपनी निजी क्षति पर नहीं रोता। पूरा कलेजा रखता हूं।' पीछे से लोगों के विलाप की आवाजें आ रही थीं और वे थरथराती हुई आवाज में मुझे किसी का शेर सुना रहे थे, ''गम आते हैं, उनको भुलाने लगे हैं, मगर हमको इसमें जमाने लगे हैं।' किसी का कोहेनूर खो जाए तो शायद नहीं रोए, पर जिसका नूर ही चला गया, वह क्यों न रोए? अकेले में आंसू तो मैंने भी छलकाए। चचा, पूरा वर्ष ऐसा निकला है। कामना करें कि अगला वर्ष ऐसा न हो, कवि, कविता और साहित्य के लिए। देश के लिए, हमारी आजादी और सद्भाव के लिए।

फोटोग्राफी...

बगालकोट (कर्नाटक) : घाटप्रभा में एक झील में मौसम का आनंद लेते फ्लेमिंगो पक्षी।

चुनाव में मिली जीत

चुनाव में मिली जीत के बाद सत्ता मिलते ही कांग्रेस के मुख्यमंत्रियों ने सबसे पहले जिस विषय की ओर अपनी सबसे तेज कार्रवाई की है, वह किसानों की कर्जमाफी रही। लोगों को शायद यह भी लग सकता है कांग्रेस अपने घोषणापत्र का वादा पूरा करना चाह रही है। लेकिन घोषणा पत्र को ही देख लिया जाए तो उसमें कई सारे चुनावी वादे मौजूद मिलेंगे। ऐसे में केवल किसानों की कर्ज माफी पर ही इतना ध्यान बिना किसी कारण के तो गया नहीं होगा। वैसे कारण बहुत सहज है। आम चुनाव जल्द होने वाले हैं। ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछतेहैं : किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था। इन हालात की विडम्बना देखिए : एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चैन से नहीं रहने देना चाहते; और दूसरी ओर गैर-बराबरी का भस्मासुर न सिर्फहमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस-नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है। 2016 में 58 प्रतिशत संपत्ति के स्वामी एक प्रतिशत अमीरों के कब्जे में अब 73 प्रतिशत संपत्ति है यानी 2017 में उनकी कुल संपत्ति में 20.7 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो उसके पिछले साल 4.89 लाख करोड़ रु पये ही थी। चूंकि हमने बेरोकटोक भूमंडलीकरण को सिर-माथे लेकर अनेकानेक विदेशी कंपनियों को देश में कमाया मुनाफा देश से बाहर ले जाने की छूट भी दे रखी है।

सरकार इस सीधे सवाल का सामना भी नहीं करती कि किसी एक व्यक्ति के अमीर बनाने के लिए कितनी बड़ी जनसंख्या को गरीबी के हवाले करना पड़ता है, और क्यों हमें ''हृदयहीन' पूंजी को ब्रह्म और ''श्रम के शोषक' मुनाफे को मोक्ष मानकर ''सहृदय' मनुष्य को संसाधन की तरह संचालित करने वाली अर्थव्यवस्था के लिए अनंतकाल तक अपनी सारी लोकतांत्रिक-सामाजिक नैतिकताओं, गुणों और मूल्यों की बलि देते रहना चाहिए? एक ओर इन सवालों के जवाब नहीं आ रहे और दूसरी ओर इन्हें पूछने वाले हकलाने लग गए हैं, तो साफ है कि हमारे लोकतंत्र में जनतांत्रिक विचारों की कमी खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। यह कमी ऐसे वक्त में कोढ़ में खाज से कम नहीं है कि गरीबों को और गरीब और अमीरों को और अमीर बनाने वाली आर्थिक नीति के करिश्मे अब किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। वे सारे लाभों को अमीर देशों के लिए सुरक्षित कर उन्हें और अमीर जबकि गरीब देशों को और गरीब बना रही हैं। एक प्रतिशत लोगों की अमीरी की यह उड़ान हमें कितनी महंगी पड़ने वाली है, जानना हो तो बताइए कि गरीबों के लिए इस गैरबराबरी से उबरने की कल्पना भी दुष्कर हो जाएगी तो वे क्या करेंगे?

सार समाचार

कोरियाई प्रायद्वीप में सड़क और रेलवे मोर्ग जोड़ने पर सहमत हुए दोनों कोरियाई देश

सियोल। दक्षिण कोरिया का एक प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों को बांटने वाले कोरियाई प्रायद्वीप में सड़क और रेलवे मार्ग को एक बार फिर जोड़ने के लिए आयोजित शिला न्यास समारोह के लिए बुधवार को उत्तर कोरिया रवाना हुआ। यह समारोह ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है जब दोनों कोरियाई देशों के बीच परमाणु निरस्त्रीकरण को लेकर बातचीत रुकी हुई है। अधिकारियों और उत्तर कोरिया में जन्मे पांच लोगों सहित करीब 100 दक्षिण कोरियाई नागरिकों को ले जा रही नौ डिब्बे वाली विशेष ट्रेन सुबह सियोल रेलवे स्टेशन से रवाना होती नजर आई। यहां से उत्तर कोरियाई सीमा शहर केयसोंग तक का रास्ता दो घंटे का है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति मून जेई-इन और उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन प्योंगयाग में (सितम्बर में) अपनी तीसरी शिखर वार्ता के दौरान साल के अंत में यह समारोह आयोजित किए जाने पर सहमत हुए थे।

अमेरिका में आव्रजन हिरासत में लिए गये आठ साल के बच्चे की मौत

ह्यूस्टन। अमेरिका के न्यू मेक्सिको में ग्वाटेमाला के आठ वर्षीय एक बच्चे की मंगलवार को सरकारी हिरासत में मौत हो गई। इस महीने आव्रजन हिरासत के दौरान किसी बच्चे की मौत का यह दूसरा मामला है। कल की घटना ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा मेक्सिको सीमा पर दीवार बनाने के लिए कोष की मांग को लेकर अमेरिका में कई दिन से सरकारी कामकाज आंशिक रूप से बंद है। अमेरिका की सीमाशुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि लड़के की पहचान फिलिप गोमेज एलोन्जो के रूप में हुई है, जिसे स्वास्थ्य खराब होने के बाद सोमवार को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फिलिप को ठंड और बुखार के इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई थी। इसके बाद सोमवार शाम को ही उसे दोबारा अस्पताल लाया गया जहां उसने दम तोड़ दिया। हालांकि यह पता नहीं चल पाया है कि बच्चा और उसका पिता अमेरिका में कैसे दाखिल हुए और उन्हें कब हिरासत में लिया गया था। इससे पहले इस महीने के शुरू में ग्वाटेमाला की सात वर्षीय एक लड़की की मौत भी न्यू मेक्सिको में आव्रजन हिरासत के दौरान हो गई थी।

आईएसआईएस ने लीबिया के विदेश मंत्रालय पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली

त्रिपोली। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने लीबिया की राजधानी त्रिपोली में विदेश मंत्रालय पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। गौरतलब है कि मंगलवार को त्रिपोली स्थित विदेश मंत्रालय में आत्मघाती हमलावर घुस गए थे। हमले में एक वरिष्ठ नौकरशाह समेत कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य घायल हो गए थे। विशेष बलों के प्रवक्ता तराक अल-दवास ने बताया कि मंत्रालय के पास एक कार बम विस्फोट के बाद सुरक्षाबल घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि इसके बाद एक आत्मघाती हमलावर ने इमारत की दूसरी मंजिल पर खुद को उड़ा लिया जबकि दूसरे हमलावर के पास एक सूटकेस में विस्फोट होने से उसकी मौत हो गई। तीसरे हमलावर के पास हथियार नहीं थे और उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसे सुरक्षाबलों ने बाहर मार गिराया। वालों में वरिष्ठ राजनयिक इब्राहिम अल-शैबी भी शामिल हैं जो उनके मंत्रालय में एक विभाग के प्रमुख थे। आतंकी संगठन आईएस ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बयान में कहा गया है कि यह हमला उसके ''खलीफा के तीन लड़ाकों'' ने किया जो आत्मघाती बेल्ट और स्वचालित हथियारों से लैस थे।

श्रीलंका के इतिहास में सबसे भीषण राजनीतिक संकट के लिए जाना जाएगा साल 2018

कोलंबो (एजेंसी)।

वर्ष 2018 श्रीलंका के इतिहास में सबसे भीषण राजनीतिक संकट के लिए जाना जाएगा जिसके चलते भारत सहित पूरी दुनिया में चिंता उत्पन्न हो गई थी.

घोर आर्थिक संकट का सामना कर रहे इस देश को लगभग दो महीने तक तब कार्यशील सरकार के बिना रहना पड़ा क्योंकि राष्ट्रपति मैत्रीपाला सिरिसेना ने नीतिगत मुद्दों पर मतभेदों के चलते एक नाटकीय कदम के तहत प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को बर्खास्त कर उनकी जगह पूर्व राष्ट्रपति महिन्दा राजपक्षे को प्रधानमंत्री नियुक्त कर दिया. राजपक्षे की सत्ता में वापसी से भारत की यह चिंता बढ़ गई कि अब चीन श्रीलंका पर अपनी पकड़ मजबूत करेगा. लिट्टे के खात्मे के लिए जाने जाने वाले राजपक्षे की दशक-भर लंबे, तानाशाही वाले शासन के चलते व्यापक निन्दा होती है. श्रीलंका के उच्चतम न्यायालय ने हालांकि राष्ट्रपति सिरिसेना को 16 दिसंबर को यूनाइटेड नेशनल पार्टी के नेता विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री पद पर बहाल करने को विवश कर दिया.

विक्रमसिंघे को भारत समर्थक माना जाता है. प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पुनः नियुक्ति पर भारत ने राजनीतिक संकट के समाधान का स्वागत किया और विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच संबंध लगातार आगे बढ़ेंगे. अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया और नॉर्वे ने भी श्रीलंका में राजनीतिक संकट के शांतिपूर्ण समाधान का स्वागत किया. राष्ट्रपति के रूप में राजपक्षे के एक दशक लंबे शासनकाल में श्रीलंका चीन के नजदीक आ गया था और बीजिंग ने श्रीलंका की अवसंरचना में गृहयुद्ध के खात्मे के बाद से लाखों डॉलर की राशि लगाई है. हालांकि चीन के कर्ज की वजह से श्रीलंका की अर्थव्यवस्था प्रभावित होने के चलते सिरिसेना-विक्रमसिंघे सरकार के तहत कई परियोजनाओं में बदलाव किया गया.

चीन व्यापार मार्गों के विस्तार की अपनी महत्वाकांक्षी योजना में श्रीलंका को महत्वपूर्ण मानता है, जबकि भारत हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंतित है. भारत और श्रीलंका ने 2018 में उच्चस्तरीय आदान-प्रदान और समझौतों पर हस्ताक्षरों के साथ अपने संबंधों में गरमाहट रखी. विक्रमसिंघे ने अक्टूबर में भारत का दौरा किया और अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की.

इस साल श्रीलंका की अर्थव्यवस्था उम्मीद से धीमी रही. लगभग दो महीने तक चले राजनीतिक संकट और इसके चलते पंगु हुई सरकार की वजह से अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा. हालांकि विक्रमसिंघे की पुनर्बहाली से श्रीलंका में उम्मीद जगी है. देश में राजनीतिक स्थिरता इस बात पर निर्भर करेगी कि विक्रमसिंघे और सिरिसेना अपने मतभेद भुलाकर नीतिगत मुद्दों पर किस तरह काम करते हैं. इससे श्रीलंका के साथ भारत के संबंधों की दिशा भी तय होगी.

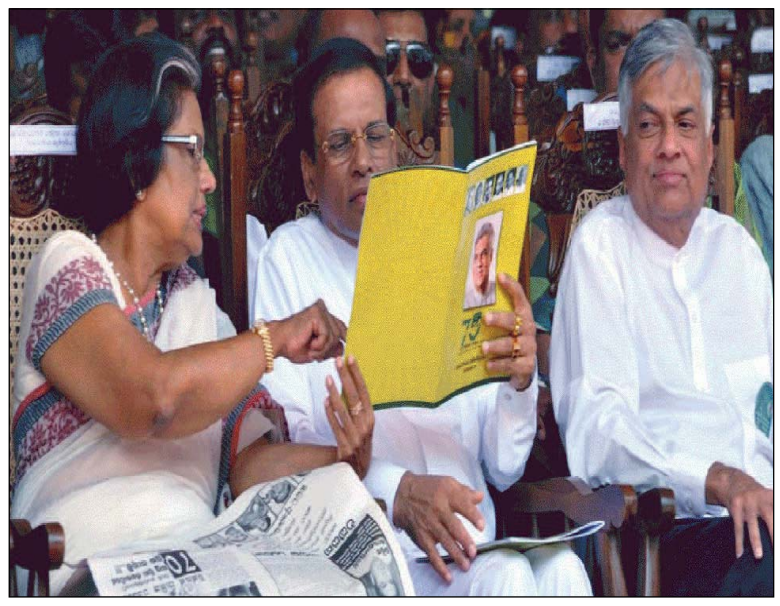

ज्वालामुखी विस्फोट और सुनामी के बाद अब इंडोनेशिया में भयानक महामारियों का खतरा

कारिता (एजेंसी)।

इंडोनेशिया के खोज एवं बचाव दल ने बुधवार को दूरवर्ती द्वीपों पर फंसे लोगों को निकाला। एक ज्वालामुखी में विस्फोट से आई सुनामी का दंश झेल रहे इन लोगों को अब भी मदद की दरकार है। चिकित्सकीय कर्मियों ने चेतावनी दी है कि स्वच्छ पानी और दवाइयों की आपूर्ति कम हो गई है जिससे जन स्वास्थ्य का संकट पैदा होने की आशंका बढ़ गई है। हजारों विस्थापित लोग आश्रय गृहों और अस्पतालों में ठसाठस भरे पड़े हैं। सुनामी के चलते कई लोग बेघर हो गए हैं।

आपदा एजेंसी ने कहा कि पश्चिम जावा और दक्षिणी सुमात्रा की तटरेखा पर रह रहे समुदायों तक सामान पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया है। एजेंसी ने बताया कि जावा और सुमात्रा को अलग करने

वाली सुन्दा जलसंधि में छोटे द्वीपों पर अब भी हजारों निवासी फंसे हुए हैं। इन्हें हेलीकॉप्टर से निकाला जाएगा या नौकाओं से ले जाया जाएगा। फंसे हुए लोगों का पता लगाने के लिए खोजी कुत्तों का इस्तेमाल किया जा रहा है लेकिन मलबे के नीचे किसी भी जीवित व्यक्ति के मिलने की संभावना ना के बराबर है।

आपदा एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी डोडी रुसवांदी ने कहा, ''हमने सुनामी से सबसे ज्यादा प्रभावित दूरदराज के स्थानों तक पहुंचना शुरू कर दिया है।'' उन्होंने कहा, ''वहां पर व्यापक पैमाने पर विध्वंस हुआ है लेकिन हम कुछ दिनों तक वहां पहुंच नहीं पाए।'' उन्होंने बताया कि दूरदराज के इलाकों के समीप कुछ सड़कें तथा पुल क्षतिग्रस्त हो गए जिससे सड़क मार्ग से पहुंचना मुश्किल हो गया। पूर्व चेतावनी के बिना शनिवार रात को आई प्रचंड सुनामी समुद्र तट और पर्यटक होटल बह गए तथा तटीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में प्रभावित हुए। सुनामी में 429 लोगों की मौत हो गई, 1485 लोग घायल हो गए तथा 154 अन्य लोग लापता हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि घटनास्थल पर ज्वालामुखी अब भी सक्रिय है तथा और ऊंची एवं जानलेवा लहरें उठ सकती हैं। कई विस्थापित लोग अब भी घर जाने से डर रहे हैं।

पीएमएल-एन नेताओं ने शरीफ के खिलाफ फैसले पर सवाल उठाया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान के सजायाफ्ता पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी के नेताओं ने मंगलवार को उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोधी अदालत के फैसले के गुण-दोष पर सवाल उठाया और कहा कि सरकार चुनिंदा लोगों की ही जवाबदेही तय कर रही है। इस्लामाबाद की जवाबदेही अदालत ने सोमवार को 69 वर्षीय शरीफ को अल अज़ीज़िया स्टील मिल मामले में सात वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई, लेकिन फ्लैगशिप इंवेस्टमेंट्स मामले में पूर्व प्रधानमंत्री को बरी कर दिया।

पूर्व मंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज के नेता अहसन इकबाल ने अन्य शीर्ष नेताओं के साथ पत्रकार वार्ता में कहा, '' पहले (उच्चतम न्यायालय द्वारा) शरीफ को अपने बेटे से तनख्वाह नहीं लेने के लिए अयोग्य ठहराया गया था और अब उन्हें अपने बेटे से तनख्वाह लेने के लिए दोषी ठहराया गया है।'' इकबाल ने कहा कि शरीफ को सजा देने के लिए जो कारण दिया गया है उस वजह का इस्तेमाल खाड़ी में रहने वाले और अपने घर पैसा भेजने वाले सभी पाकिस्तानियों को अपराधी घोषित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभियोजन यह साबित करने में विफल रहा है कि शरीफ अल अज़ीज़िया के असल मालिक हैं और धारणा के आधार पर पूर्व प्रधानमंत्री को सजा दी गई है। प्रधानमंत्री इमरान खान का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि जवाबदेही तय करने की जो प्रक्रिया चल रही है वह प्रधानमंत्री द्वारा चुनिंदा लोगों पर ही लागू की जा रही है। विपक्षी नेताओं को निशाना बनाया

जा रहा है और सरकार में बैठे लोगों को छुआ तक नहीं जा रहा है। पीएमएल-एन नेता राणा सनाउल्लाह ने कहा कि उनकी पार्टी संसद के अंदर और सड़कों पर इस चुनिंदा जवाबदेही के खिलाफ प्रदर्शन करेगी। इसके कुछ देर बाद, सूचना मंत्री फवाद चौधरी की अगुवाई में पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ नेताओं ने संवाददाता सम्मेलन किया। चौधरी ने कहा कि इबकाल और अन्य पीएमएल-एन नेता पूर्व प्रधानमंत्री का बचाव करने में नाकाम रहे, जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराया गया है।

आर्थिक समस्याओं के विरोध में पत्रकार ने किया आत्मदाह, प्रदर्शन के लिए उतरे लोग

ट्यूनिस (एजेंसी)।

ट्यूनीशिया में आर्थिक समस्याओं के विरोध में पत्रकार द्वारा आत्मदाह किए जाने के बाद मंगलवार को मध्य अफ्रीकी देश में प्रदर्शन शुरू हो गए जिससे पुलिस के साथ झड़प की घटनाएं और राष्ट्रव्यापी चिंता बढ़ गई है.

पत्रकार ने जारी किया वीडियो

पत्रकार अब्देरज्जाक जोरगुई ने खुद को आग लगाने से पहले विद्रोह का आह्वान करते हुए एक ऑनलाइन वीडियो जारी किया. जोरगुई ने इस वीडियो में बेरोजगारी और 2011 में ट्यूनीशिया की अरब स्प्रिंग के वायदों के पूरा नहीं होने पर निराशा जाहिर की. जोरगुई की सोमवार को अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी.

पुलिस ने छोड़े आंसू गैस के गोले

उनकी मौत के बाद सोमवार रात कैसरीन शहर में प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया. इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले छोड़े. प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पथराव किया.

प्रदर्शन के दौरान 6 पुलिसकर्मी घायल

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता सोफियाने जाग ने मंगलवार को कहा कि प्रदर्शन के दौरान छह पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया. मंगलवार की रात कैसरीन में फिर से प्रदर्शन शुरू हो गया. अन्य हिस्सों से भी ऐसी खबरें मिली हैं.

पहले एक फल विक्रेता ने किया आत्मदाह

ट्यूनीशिया में इसी तरह दिसंबर 2010 में एक फल विक्रेता ने बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आत्मदाह कर लिया था जिसके चलते देश की सत्ता पर लंबे समय से काबिज तानाशाह राष्ट्रपति को हटना पड़ा था और देश में लोकतंत्र की शुरुआत हुई. इस घटना से समूचे अरब जगत में इसी तरह का आंदोलन हुआ था जिसे 'अरब स्प्रिंग' या अरब क्रांति के नाम से जाना गया.

पहली बार सामने आया चीन का सबसे घातक ड्रोन विंग लू-1, भारत की बढ़ा सकता है टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन लगातार अपनी सैन्य क्षमता में तेजी ला रहा है। इसी वर्ष चीन ने विमानवाहक युद्धपोत, परमाणु पनडुब्बी, लड़ाकू विमान को सेना में शामिल किया है। इसी श्रृंखला में अब चीन ने अपने सबसे घातक ड्रोन बंबर का सफल परिक्षण भी किया है। चीन की तरफ से इसकी एक फूटेज भी रिलीज की गई है। Wing Loong I-D, Wing Loong-I यह मानव रहित विमान कई तरह की खूबियों से लैस है। यह दुश्मन की टोह लेने के अलावा हमलों को बखूबी अंजाम दे सकता है। इतना ही नहीं इस विमान में दस अलग-अलग तरह के हथियार लगाए जा सकते है। इसकी सबसे बड़ी खासियत है कि यह विमान बिना दोबारा तेल भरवाए करीब 35 घंटों तक उड़ान भर सकता है।

भारत की बढ़ सकती है टेंशन

इसमें मौजूद कई खासियतों की वजह से ही यह भारत की टेंशन को बढ़ा भी सकता है। दरअसल इसमें लगे हाई रिजोल्यूशन स्पाईकैम करीब सात हजार फीट की ऊंचाई से उड़ते हुए जानकारी एकत्रित कर सकते हैं। यह विमान बम से लेकर मिसाइल तक लेकर उड़ान भर सकता है। इसमें BA-7 या Blue Arro2-7 लेजर गाइडेड मिसाइल शामिल है। यह हवा से जमीन पर वार करने वाली एक सेमी ऑटोमेटिक मिसाइल है। यह दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइलों में से एक है। यह मिसाइल टैंक की धज्जियां उड़ाने में पूरी तरह से कामयाब है। यह विमान

YZ-212 जो कि एक लेजर गाइडेड बम है और YZ-102 एंटी पर्सनल बम, 50 किलोग्राम LS-6 मिनिएचर गाइडेड बम से भी लैस है।

एक नहीं कई हैं खासियत

इस विमान की खासियत यहीं पर खत्म नहीं हो जाती हैं। सिना मिलिट्री के मुताबिक यह विमान अब तक का सबसे अधिक वजन लेकर उड़ान भरने वाला विमान है। Wing Loong I-D के पंखों की लंबाई करीब 17.5 मीटर है। यह विमान अपने वजन से करीब 400 किग्रा अधिक वजन लेकर उड़ान भर सकता है। वहीं Wing Loong I के पंखों की लंबाई करीब 14 मीटर है। यह अपने वजन से करीब 100 किग्रा अधिक भार लेकर उड़ान भरने के काबिल है।

पहली बार सामने आई तस्वीर

चीन की आर्मी की तरफ से जो वीडियो रिलीज किया गया है उसमें Wing Loong I-D करीब तीस मिनट की उड़ान भरता हुआ दिखाया गया है। यह टेस्ट पूरी तरह से सफल रहा है। यह कंपोजिट मेटेरियल से बना पहला ड्रॉन है। इस वजह से यह अपने साथ के विमानों की तुलना में बेहद हल्का है। Wing Loong I-D को चेंगडू एयरक्राफ्ट डिजाइन इंस्टीट्यूट ने तैयार किया है। यह चीन के मोस्ट एडवांस्ड अनमेंड एरियल व्हीकल के निर्माण में लगा हुआ है। इसके अलावा यहां से इस विमान के अलावा जो दूसरा स्टिल्थ बंबर Wing Loong II बनाया गया है वह राडार की आंखों से ओझल होने की काबलियत रखता है। यह विमान 40 किमी तक की दूरी में लेजर गाइडेड मिसाइल से हमला कर सकता है। आपको बता दें कि जिस विमान की बात यहां पर की जा रही है उसका यह फलाइट टेस्ट फरवरी में किया गया था। लेकिन इसकी पहली बार फुटेज सामने आई है। Wing Loong II की टॉप स्पीड करीब 370 किमी प्रति घंटा हे और यह करीब 9 हजार मीटर की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है।

ट्यूनीशिया में पत्रकार के आत्मदाह के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू

ट्यूनिस (एजेंसी)।

ट्यूनीशिया में आर्थिक समस्याओं के विरोध में पत्रकार द्वारा आत्मदाह किए जाने के बाद मंगलवार को मध्य अफ्रीकी देश में प्रदर्शन शुरू हो गए जिससे पुलिस के साथ झड़प की घटनाएं और राष्ट्रव्यापी चिंता बढ़ गई है। पत्रकार अब्देरज्जाक जोरगुई ने खुद को आग लगाने से पहले विद्रोह का आह्वान करते हुए एक ऑनलाइन वीडियो जारी किया। जोरगुई ने इस वीडियो में बेरोजगारी और 2011 में ट्यूनीशिया की अरब स्प्रिंग के वायदों के पूरा नहीं होने पर निराशा जाहिर की।

जोरगुई की सोमवार को अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई थी। उनकी मौत के बाद सोमवार रात कैसरीन शहर में प्रदर्शन शुरू हो गया, जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिये आंसू गैस के गोले छोड़े। प्रदर्शनकारियों ने भी पुलिस पर पथराव किया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता सोफियाने जाग ने मंगलवार को कहा कि प्रदर्शन के दौरान छह पुलिसकर्मी घायल हो गए और कई लोगों को गिरफ्तार किया गया।

मंगलवार की रात कैसरीन में फिर से प्रदर्शन शुरू हो गया। अन्य हिस्सों से भी ऐसी खबरें मिली हैं। ट्यूनीशिया में इसी तरह दिसंबर 2010 में एक फल विक्रेता ने बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आत्मदाह कर लिया था जिसके चलते देश की सत्ता पर लंबे समय से काबिज तानाशाह राष्ट्रपति को हटना पड़ा था और देश में लोकतंत्र की शुरूआत हुई। इस घटना से समूचे अरब जगत में इसी तरह का आंदोलन हुआ था जिसे 'अरब स्प्रिंग' या अरब क्रांति के नाम से जाना गया।

सूरत क्राइम ब्रांच पुलिस ने टू व्हीलर तथा फोर व्हीलर चोर गैंग के टुकड़ी को पकड़ा

सूरत। शहर पुलिस कमिश्नर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर क्राइम एंड ट्रेफिक नए पुलिस कमिश्नर क्राइम के निर्देश पर सहायक पुलिस कमिश्नर तथा पुलिस इंस्पेक्टर क्राइम के मार्गदर्शन में सूरत शहर से चोरी हुए वाहनों की बरामदगी तथा चोरों के गिरोह को पकड़ने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत मंगलवार को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजस्थान के वाहन चोर गैंग को पकड़कर कई वाहनों की बरामदगी की। क्राइम ब्रांच पुलिस ने मिली गुप्त सूचना के आधार पर जाल बिछाकर वाहनों की चोरी करने वाले कई सदस्यों को दबोच लिया। क्राइम सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार क्राइम ब्रांच के वीके चावला पीएसआई एमएस त्रिवेदी तथा पीएसआईबी भोला और उनकी टीम ने आरोपियों को पकड़ कर उनके कब्जे से कई वाहन बरामद कर लिया। पकड़े गए आरोपी राजस्थान के दहिया ग्राम तालुका सायला जिला जालौर राजस्थान के रहने वाले हैं । पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों को हिरासत में लेकर उसकी निशानदेही पर शहर से चोरी किए गए बोलेरो टवेरा वरना जैसी फोर व्हीलर कार तथा कई मोटरसाइकिल बरामद की।

सूरत। लालदरवाजा रामजी मंदिर के सामने फ्लाई ओवर ब्रिज के नीचे पार्क की गई एम्बुलेंस वैन में अचानक आग लग जाने से एम्बुलेंस जलकर खाक हो गई।

मुख्यमंत्री के हाथ आज सूरत के साहसिक सफल तथा प्रसिद्ध 31 बिल्डरों का होगा सम्मान

सूरत। मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी के हाथों आज सूरत शहर के 31 साहसिक सफल तथा नामांकित बिल्डरों का सम्मान किया जाएगा रात्रि 8:30 बजे सूरत में मुख्यमंत्री विजय भाई रुपाणी दिव्य भास्कर ग्रुप द्वारा आयोजित रियल आईकॉन अवॉर्ड कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे मुख्यमंत्री के हाथों सूरत के बिल्डरों का सम्मान किए जाने की खबर से बिल्डर लॉबी में हर्ष का माहौल है। गौरतलब है कि सूरत के बिल्डरों की बदौलत ही विकास के क्षेत्र में सूरत ने अपना महत्वपुर्ण स्थान बनाया है। यहां के बिल्डरों द्वारा अन्तराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से लैस भवनों के निर्माण के कारण देश विदेश के निवेशकों ने यहां पर निवेश किया है।

अल्पेश गजेरा आत्महत्या मामले में

पत्नी ने मामा ससुर के विरुद्ध दर्ज कराई शिकायत

सूरत। दूर के मामा ससूर के त्रास से पति के आत्महत्या कर लेने पर पत्नी ने मामा ससूर सहित पांच लोगों के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है। उधार के रुपये केबदले जमीन की विक्री करने के बाद आरोपियों द्वारा जमीन का कब्जा न दिए जाने से हताश होकर फरीयादी के पति ने आत्महत्या कर ली थई।

कापोद्रा पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार कापोद्रा सिमाणा गांव के मोमाई नगर निवासी हर्षाबेन अल्पेशभाई गजेरा ने आरोपियों मनसुख मधुभाई सुहागिया(अमरेली), संजय मनसुख सुहागिया, मंजूलाबेन मनसुखभाई, अरबिनंद भाई गंगादास भाई, जीतू खजी सुहागिया के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई है। फरीयादी के दूर का मामा मनसुख सुहागिया ने फरियादी के पति अल्पेशभाई के पासे 35,00,000 रुपये उधार में लिया था।

जिसके बदले आरोपी ने अपने गांव के खेत की जमीन का दस्तावेज करके दिया था। बेचाण दस्तावेज के बाद जमीन का कब्जा न मिलने से हर्षाबेन के पति अल्पेश भाई ने आरोपी जीतूभाई से उधार के लिए गए रुपये मांगने शुरु कर दिए। जिसपर उन लोगों ने रुपये लौटाने की जगह जान से मारने की धमकी देनी शुरु कर दी। जिससे हताश होकर अल्पेशभाई गजेरा ने आत्महत्या कर ली।

सूरत। शहर में हो रहे लगातार वाहन दुर्घटनाओं के बावजूद लोग सबक सीखने को तैयार नहीं है। शहर के पांडेसरा क्षेत्र से गुजरने वाले छोटे-छोटे बच्चों से खचाखच भरे डंपर को देख कर तो यही कहा जा सकता है कि लोग सुधारने के लिए तैयार नहीं है लोगों के जान-माल की रक्षा तथा व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिस भी जोखिम भरे इस कारनामे को देख कर मौन साधे हुए हैं शायद शहर पुलिस किसी बड़ी अनहोनी के होने का इंतजार कर रही है।

फायर सेफ्टी मामले में रांदेर के फ्रेंडस, कतारगाम के प्लस क्लासेस सील

सूरत। वेसू के आगम आर्केड में आग की घटना के बाद फायर विभाग द्वारा शहर के 230 ट्यूशन क्लासेस को फायर एण्ड सेफ्टी के साधनों को लगाने के लिए नोटिस दिया था। नोटिस की समय सीमा समाप्त होने के बाद भी जिन ट्यूशन संचालकों द्वारा फायर एण्ड सेफ्टी के उपकरण नहीं लगाया गया उस पर कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को फायर विभाग ने रांदेर के फ्रांडस तथा कतारगाम के प्लस क्लासेस में सील मार दिया। मनपा के चीफ फायर आफिसर बी.के पारिक से मिली जानकारी के अनुसार वेसू के आगम आर्केड में पिछले महीने ग्राउंडफ्लोर पर शार्ट सर्कीट से लगी आग में तीसरे मंजिल पर संचालित ट्यूशन क्लास में धुआं फैल जाने से दम घुटने से बच्चे तथा शिक्षिकां की मौत हो गई थी इस घटना के बाद मनपा कमिश्नर के निर्देश पर शहर भर में फैले करीब 250 ट्यूशन क्लासेस का सर्वे करके फायर एण्ड सेफ्टी के साधनों की पूछने पर धबरा कर व्यवस्था करने, आपातकाल की स्थिति में प्रवेश तथा निकास की वैकल्पिक व्यवस्था कनरे के लिए नोटिस दिया गया था।

ब्याज खोरो के त्रास से वृद्ध ने खुद को लगाई आग

उपचार के दौरान वृद्ध की मौत

सूरत। शहर के पांडेसरा क्षेत्र के लुम्स कारखाने में काम करने वाल वृद्ध ने ब्याज खोरों के त्रास से परेशान होकर खुद को आग लगा लिया। आग से पूरी तरह झुलसे वृद्ध को सिविल हास्पीट में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान बुधवार को वृद्ध की मौत हो गई।

मृतक बद्रीनाथ पाटिल ने 23 दिसंबर को कारखाने में शरीर पर किरोसीन डालक आग लगा लिया था। मृतक के पुत्र ने बताया कि वे महाराष्ट्र के मूल निवासीहै उनके परिवार में दो भाई तथा दो बहने है। उसके पिता ने दो साल पहले आशानाम की एक महिला से लगभग 3 लाख रुपया 5 टका के ब्याज पर लिया था। जिसके बदले हर महीने में 6000 भर रहे थे। परन्तु वह हमारा मकान हड़पने की नीयत से सारे रुपये एक साथ मांग रही थी। जिससे तनाव में आकर उसके पिता ने अपनी जान दे दी। मृतक के परिजनों ने पुलिस से ब्याज खोर महिला के खिलाफ कार्रवाई करने की मंग की है।

तेज रफ्तार ट्रक का टायर फटने से मोटरसाइकिल चालक की मौत

सूरत। पूणा गांव के सीमाडा के निकट तेज रफ्तार ट्रक का टायर अचानक फट जाने से ट्रक के आगे बाइक से जा रहे बाइक चालक की ट्रक के चपेट में आ जाने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पलसाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार तापी जिला के उत्सव तालुका निवासी शैलेश भाई रामचंद्र का गामीत द्वारा पलसाना पुलिस में की गई फरियाद के मुताबिक तेजी से आ रही ट्रक नंबर जी-जे 19, टी 3618 की टायर अचानक फट जाने से ट्रक के सामने से जा रहे दनियाल भाई ट्रक की चपेट में आ गए। जिससे उनके सिर पर गंभीर चोट आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि बाइक पर पीछे सवार शिल्पा बेन तथा रोशन को गंभीर चोटे आई जिन्हें उपचार के लिए निकट के अस्पताल में भर्ती कराया गया पुलिस ने दुर्घटना में मौत का मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूरत। आगरा में दलित छात्रा को जिंदा जला देने की क्रुर घटना के विरोध में स्वयं सैनिक दल परिवार संगठन की और से सूरत जिला कलेक्टर को आवेदन पत्र सौंप कर हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी तथा कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की।

सूरत। अलग-अलग सरकारी बैंकों को मर्जरत करने के प्रयास के विरोध में बैंक कर्मियों द्वारा आयोजित देश व्यापी हड़ताल के तहत सूरत के राष्ट्रीकृत बैंकों के कर्मचारियों ने घोड़ दोड़ रोड़ स्थित बैंक आफ बडौदा प्रांगण में एकत्र होकर सरकार के निर्णय के विरुद्ध धरना प्रदर्शन किया।

भेस्तान के सिद्धार्थ नगर में अधेड़ की हत्या कर लूट

सूरत। शहर के भेस्तान स्थित सिद्धार्थनगर में किराए के मकान में रहक मेस चालने वाले व्यक्ति के रुम में रहने वाले लोगों ने लूट के इरादे से हत्याकर फरार हो गए। पांडेसरा पुलिस ने हत्या तथा लूट का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरु कर दी है।

न्यू सिविल हास्पीटल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भेस्तान के सिद्धार्थनगर में रहने वाले 55 वर्षीय सन्यासी दूजे स्वाई मेस चलाकर अपने परिवार का परवरिश करता था। सन्यासी सूरत में पिछले 30 वर्षों से रह रहा था। सन्यासी जिस मकान में रह रहा था उसके साथ उड़ीसा के तीन और साथी भी रहते है। मंगलवार की रात सन्यासी रुपये लेकर घर आया था। बुधवार की सुबह सन्यासी के मित्र उसके रुम पर पहुंचे तभी उन्होंने देखा की उसके रुम में रहने वाले एक आदमी खून साफ कर रहा है। इस खून के बारे में पूछने पर घबराकर भागने लगा। मित्रों ने जब रुम के अंदर जाकर देखा तो सन्यासी लहुलुहान स्थिति में तडप रहा था। सन्यासी के साथ रुम में रहने वाले तीनों रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए थे। मित्रों की शिकायत पर पुलिस ने कल्लू स्वाई, नारायण जेना तथा रमेश जेना की तलाश शुरु कर दी है। गौरतलब है कि सूरत में बढते आपराधिक घटनाओं के कारण हर कोई डरा सहमा हुआ है। पुलिस अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। जगह-जगह दारू जुए तथा सट्टे के अड्डे पर छापेमार कर आरोपियों की धरपकड़ कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)